वार्षिक पत्रिका
1997-98

प्रवाहिनी

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान
रूड़की - 247 667

वार्षिक पत्रिका
1997-98

प्रवाहिनी

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
रूड़की - 247 667

सम्पादक मण्डल

श्री मनमोहन कुमार गोयल, वैज्ञानिक सी एवं हिन्दी अधिकारी

श्री अशोक कुमार द्विवेदी, वैज्ञानिक बी

श्री मुहम्मद फुरकानुल्लाह, वरिष्ठ तकनीशियन सहायक

टंकण कार्य

श्री महेन्द्र सिंह, आशुलिपिक (हिन्दी)

(047.3)532.5
N28P

नोट : रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है।

डा. सौभाग्य मल सेठ
निदेशक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
रूड़की

संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी हिन्दी पत्रिका प्रवाहिनी का प्रकाशन कर रहा है ।

संस्थान के सदस्यों की साहित्यिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रतिभा को हिन्दी माध्यम् से व्यक्त करने तथा इसे उत्तरोत्तर गति प्रदान करने में यह पत्रिका सर्वथा ही अग्रणी रही है। मुझे आशा है कि इस पत्रिका में प्रस्तुत आलेख एवं कविताएं सामान्य ज्ञान एवं मनोरंजन के साथ-साथ जल के क्षेत्र में भी अनेक रोचक जानकारी उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगी। "प्रवाहिनी" का सरिता प्रवाह निरन्तर राष्ट्रभाषा हिन्दी के उत्थान में अपना उल्लेखनीय योगदान करता रहेगा, ऐसा मेरा विश्वास है ।

मैं पत्रिका के प्रकाशन की सफलता की शुभकामना करता हूँ ।

सौभाग्य सेठ
(सौभाग्य मल सेठ)

हिन्दी दिवस
14 सितम्बर, 1998

सम्पादकीय

नवीन रचनाओं पर आधारित राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की हिन्दी पत्रिका प्रवाहिनी का पांचवा अंक आपके सम्मुख है ।

आज का युग ज्ञान-विज्ञान व सूचना क्रान्ति के युग के रूप में जाना जाता है । कंप्यूटर, संचार और मुद्रण तकनीकी ने हमारे दैनिक जीवन पर विशेष रूप से प्रभाव डाला है। इन्टरनैट और संचार प्रणालियों के रहते दुनिया सिमट कर बहुत छोटी हो गई है । आधुनिक तकनीकी के विकास एवं प्रयोग से पत्रिकाओं के प्रकाशन में एक नया मोड़ आया है । आज की गतिशील दुनिया में पाठकों को ऐसे साहित्य की आवश्यकता है जो कि कम समय में उनका अधिक से अधिक ज्ञानवर्धन करे । यह हमारे लिये गौरव का विषय है कि हमारे संसथान में न केवल जलविज्ञान के क्षेत्र में ही, बल्कि अन्य साहित्यिक क्षेत्रों में भी बहुत सी प्रतिभाएं मौजूद हैं । इन्ही प्रतिभाओं की मूल रचनाओं का संकलन "प्रवाहिनी " आपके सम्मुख है ।

सम्पादक मण्डल उन सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है जिन्होंने अपने परिश्रम व प्रतिभा से प्रवाहिनी के इस प्रकाशन में किसी भी रूप में अपना योगदान दिया है । हमें आशा है कि आप सभी लोग भविष्य में भी प्रवाहिनी रूपी दीप को प्रज्वलित करने में हमारी सहायता करते रहेंगे । हम अपने निदेशक महोदय के भी आभारी हैं जिनकी प्रेरणा एवं उत्साहवर्धन से ही इस पत्रिका का प्रकाशन सम्भव हो सका ।

सम्पादक मण्डल

अनुक्रमणिका

	संख्या
1. निदेशक द्वारा अभिभाषण	१
2. हिन्दी भाषा की विकास यात्रा डा. आशा कपूर	४
3. रास्ता और मंजिल श्रीमती अन्जू चौधरी	९
4. जल से संबंधित अद्भुत तथ्य श्री मुकेश कुमार शर्मा	१०
5. बोतलबंद जलः गुणवत्ता वैशिष्ट्य एवं सुरक्षा की दृष्टि में श्री अशोक कुमार द्विवेदी	१२
6. नेता ही बन जाऊंगा श्री गुरदीप सिंह दुआ	१७
7. चुटकुले श्री रामचन्द्र लोवरा	१८
8. भवन निर्माण में वास्तुशास्त्र की उपयोगिता श्री राकेश कुमार	१९
9. नव निर्माण करें श्री रामनाथ	२२

10. चाय की आत्म कथा २३
श्री सतीश कुमार कश्यप

11. पुस्तकालय स्वचालन २४
श्री प्रदीप कुमार

12. वफा २९
श्री नुसरत इजहार सिद्दीकी

13. हिन्दी भाषा की कहानी ३०
श्री राजेश कुमार नेमा

14. यथार्थ ३३
श्री सुहास खोब्रागड़े

15. 21वीं सदी में जल संसाधन की योजनायें एवे प्रबन्धन ३४
श्री पंकज गर्ग

16. 21वीं सदी में जल संसाधन की योजनायें एवं प्रबन्धन ३८
श्री पी.के. अग्रवाल

17. 21वीं सदी में जल संसाधन की योजनायें एवं प्रबन्धन ४२
श्री मनोहर अरोडा

***